

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II-- लग्ड 3--उप-लग्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

e 229]

नई बिल्ली, बुद्यवार, जून 4, 1980/ज्येष्ठ 14, 1902

No. 2291

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 4, 1980/JYAISTHA 14, 1902

इस भाग में भिम्म पृथ्ठ संख्या हो जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

विश्वित, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोड)

नई विल्ली, 3 जून, 1980

1980 का आवेश संख्या 1

का॰ आ॰ 379(क). --- कम्पनी विधि बोर्ड (खंडपीठ) नियम, 1975 के नियम 2(ङ) तथा नियम 3 के साथ पठित, कम्पनी प्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धार। 10ङ की उपधारा (4ख) द्वारा प्रत्वत मिन्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इस बायत प्रेक्षियत अपने विनांक 8 जनवरी, 1979 के प्रावेश संख्या 1979 के 1 का अधिलंबन करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोवन से, एतद्द्वारा 3 जून, 1980 से अपनी निम्मांकित खंड पीठों का गठन करता है :---

बंड पीठ संख्या 1

| 1. श्रीएस० एम० ब्गर | सदस्य |
|---|---------------|
| 2. श्री ए० मीलाकान्तम् | स दस्य |
| खंड पीठ संख्या 2 | |
| 1. श्री एस० एम० दूगर | सदस्य |
| 2 श्री एस० सी० मिस्तल | सवस्य |
| संब पीठ संस्था 3 | |
| श्री ए० नीलाकान्तन् | सदस्य |
| 2. श्री एस० सी० मित्तल | संबस्य |

खंड पीठ संख्या 4

श्री एस० एम० बूगर सदस्य

2. श्री एम० सी० बाफना

सवस्य

खंड पीठ संख्या 5

श्री ए० नीलकास्तन्
 श्री एस०सी० बाफना

सदस्य स**द**स्य

खंड पीठ संख्या 6

खंड पीठ संख्या 7

1. श्री एस० एम० दूगर

सदस्य सवस्य

2. श्री जे० पी० मुकर्जी

श्री ए० नीलाकान्त्रम्

सवस्य

2. श्री जें०पी० मुकर्जी

मयस्य

कम्पनी विधि बोर्ड पुनः झादेश देता है कि :---

- (1) खंड पीठ संख्या 1, खंड पीठ सं० 2 तथा खंड पीठ संख्या 3 कम्पनी विधि बोर्ड (खंड पीठ) नियम, 1975 के झंतगत कम्पनी विधि बोर्ड के समक्ष सम्पूर्ण देश में कार्य कर रही कम्पनियों की सभी याजिकामों तथा झावेदन पक्षों पर सुनवाई कर सकती हैं व उन्हें झिलाम रूप से निपटा सकती है।
- (2) खंड पीठ सं० 4 तथा खंड पीठ संख्या 5 कम्पना विधि बांई (खंड पीठ) नियम, 1975 के प्रंतर्गत कम्पनी विधि बांई के समक्ष कमशः पश्चिमी तथा विकाणी प्रवेशों में कार्य कर रहीं

कम्पनियों की सभी याचिकाधों तथा धावदन पत्नों पर मुनवाई कर सकती हैं व उन्हें धन्तिम रूप से निपटा सकती हैं।

- (3) खंड पीठ संख्या 6 सथा खंड पीठ संख्या 7 कम्पनी विधि बोर्ड (खंड पीठ) नियम, 1975 के झंतर्गत कम्पनी विधि बोर्ड के समक्ष पूर्वी प्रदेशों में कार्य कर रही कम्पनियों की सभी याचि-काश्रों तथा आवेदन पन्नों पर मुनवाई कर सकती हैं य उन्हें प्रन्तिम कृप से निपटासकती हैं।
- (4) ये खंड पीठ भाषभ्यक समझे जाने वाले स्थानों पर अपनी बैठकें कर सकती हैं।

[फाइल सं० 2/7/80-सी०एल०-5]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (Department of Company Affairs)

COMPANY LAW BOARD

New Delhi, the 3rd June, 1980

ORDER NO. 1 of 1980

S.O. 379(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (4B) of section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with Rule 2(e) and Rule 3 of the Company Law Board (Bench) Rules, 1975 and in supersession of the Company Law Board's Order No. 1 of 1979 dated the 8th January, 1979 issued in this behalf, the Company Law Board with the previous approval of the Central Government, hereby constitutes the following Benches of the Company Law Board with effect from 3rd June, 1980, namely:

Bench No. 1:

| Bench No. 1: | |
|---|--------------------|
| Shri S. M. Dugar Shri A. Neelakantan | Member. Member. |
| Bench No. 2: | |
| Shri .S.M. Dugar Shri S.C. Mital | Member. Member. |
| Bench No. 3: | |
| Shri A. Neelakantan Shri S.C. Mital | Member. Member. |
| Bench No. 4: | |
| Shri S.M. Dugar Shri S.C. Bafna | Member. Member. |
| Bench No. 5: | |
| 1. Shri A. Neelakantan | Member. |
| 2. Shri S.C. Bafna | Member, |
| Bench No. 6; | |
| 1. Shri S·M. Dugar | Member. |
| 2. Shri J.P. Mukherjee | Member, |
| Bench No. 7: | |
| Shri A. Neelakantan | Member. |
| 2. Shri J.P. Mukherjee | Member. |

The Company Law Board further orders that:

- (1) Bench No. 1, Bench No. 2 and Bench No. 3 may hear and dispose of finally all petitions and applications made in respect of companies functioning through out the country before the Company Law Board under the Company Law Board (Bench) Rules, 1975;
- (2) Bench No. 4 and Bench No. 5 may hear and dispose of finally all petitions and applications made in respect of companies functioning in the Western and Southern Regions before the Company Law Board under the Company Law Board (Bench) Rules, 1975;
- (3) Bench No. 6 and Bench No. 7 may hear and dispose of finally all petitions and applications made in respect of companies functioning in the Eastern Region before the Company Law Board under the Company Law Board (Bench) Rules, 1975; and
- (4) The Benches may hold their sittings at such places as may be deemed necessary.

[File No. 2/7/80-CL.V.]

1980 का आदेश संख्या-2

का० का० 380(भ) कम्पनी विधि बोर्ड (खंडपीठ) नियम 1975 के नियम 4 द्वारा प्रकृत समित्यों का प्रयोग करते हुए तथा इस बाबत प्रेषित अपने दिनांक 8 जनवरीं 1979 के भार्षण संख्या 1979 के 2 का अधिलंधन करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एनद्द्वारा धारेण देता है कि अबिक कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 2 के खंड (18क') के लिए स्पष्टीकरण के मंतर्गत याधिकार्य तथा धारा 17, 18 व 19 के मंतर्गत याधिकार्यों तथा धारा 17, 18 व 19 के मंतर्गत याधिकार्यों है को मनुमार गठित दो सक्ष्यीय खंड पीठों द्वारा संख्या 1980 के 1 के मनुमार गठित दो सक्ष्यीय खंड पीठों द्वारा संख्याहरित होगी वहां निदेशनों के प्रेषणों तथा धन्तर्यदिय मामलों सिह्न सभी अन्य मामलों से संबंधित याधिकार्यों इन खंड पीठों के किन्हीं भी सवस्यों द्वारा एकाकी रूप से संख्याहरित होगी।

[फाइल सं० 2/7/80-सी०एल०-5] एस०सी०मित्तल सबस्य कस्पनी विधि बीई

ORDER No. 2 of 1980

N.O. 380(E).—In exercise of the powers conferred by Rule 4 of the Company Law Board (Bench) Rules, 1975 and in supersession of the Company Law Board's Order No. 2 of 1979 dated the 8th January, 1979 issued in this behalf, the Company Law Board hereby directs that while petitions under Explanation to clause (18A) of section 2 and petitions under sections 17, 18 and 19 of the Companies Act, 1956 shall be dealt with by the Two Member Benches of the Company Law Board constituted vide Company Law Board Order No. 1 of 1980 dated the 3rd June, 1980, petitions in relation to all other matters including issuing of directions and inter-locutory matters shall be dealt with by any Member of these Benches sitting singly.

[File No. 2/7/80-CL.V] S. C. MITAL, Member, Company Law Board.